माँ महागौरी: मंत्र, प्रार्थना, स्तुति, ध्यान, स्तोत्र, कवच और आरती

Maa Kalratri का ध्यान

करालवन्दना घोरां मुक्तकेशी चतुर्भुजाम्।
कालरात्रिम् करालिंका दिव्याम् विद्युतमाला विभूषिताम्॥

दिव्यम् लौहवज्र खड्ग वामोघोर्ध्व कराम्बुजाम्।
अभयम् वरदाम् चैव दक्षिणोध्वाघः पार्णिकाम् मम्॥

महामेघ प्रभाम् श्यामाम् तक्षा चैव गर्दभारूढ़ा।
घोरदंश करालास्यां पीनोन्नत पयोधराम्॥

सुख पप्रसन्न वदना स्मेरान्न सरोरूहाम्।
एवम् सचियन्तयेत् कालरात्रिम् सर्वकाम् समृध्दिदाम्॥

Karalavandana Ghoram Muktakeshi Chaturbhujam।
Kalaratrim Karalimka Divyam Vidyutamala Vibhushitam॥

Divyam Lauhavajra Khadga Vamoghordhva Karambujam।
Abhayam Varadam Chaiva Dakshinodhvaghah Parnikam Mam॥

Mahamegha Prabham Shyamam Taksha Chaiva Gardabharudha।
Ghoradamsha Karalasyam Pinonnata Payodharam॥

Sukha Prasanna Vadana Smeranna Saroruham।
Evam Sachiyantayet Kalaratrim Sarvakam Samriddhidam॥

Maa Kalratri का स्तोत्र

हीं कालरात्रि श्रीं कराली च क्लीं कल्याणी कलावती।
कालमाता कलिदर्पध्नी कमदीश कुपान्विता॥

कामबीजजपान्दा कमबीजस्वरूपिणी।
कुमतिघ्नी कुलीनर्तिनाशिनी कुल कामिनी॥

क्लीं ह्रीं श्रीं मन्त्रवर्णेन कालकण्टकघातिनी।
कृपामयी कृपाधारा कृपापारा कृपागमा॥

Him Kalaratri Shrim Karali Cha Klim Kalyani Kalawati।
Kalamata Kalidarpadhni Kamadisha Kupanvita॥

eAstroHelp

माँ महागौरी का मंत्र

ॐ देवी महागौर्यै नमः॥

Om Devi Mahagauryai Namah॥

माँ महागौरी का बीज मंत्र

श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः

Shree Kleem Hreem Vardayai Namah

माँ महागौरी प्रार्थना

श्वेते वृषेसमारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।
महागौरी शुभं दद्यान्महादेव प्रमोददा॥

Shwete Vrishesamarudha
Shwetambaradhara Shuchih।
Mahagauri Shubham Dadyanmahadeva
Pramodada॥

माँ महागौरी स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु माँ महागौरी रूपेण संस्थिता।

नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥

Ya Devi Sarvabhuteshu Maa Mahagauri
Rupena Samsthita।
Namastasyai Namastasyai Namastasyai
Namo Namah॥

माँ महागौरी ध्यान

वन्दे वाञ्छित कामार्थे चन्द्रार्धकृतशेखराम्।
सिंहारूढा चतुर्भुजा महागौरी यशस्विनीम्॥
पूर्णन्दु निभाम् गौरी सोमचक्रस्थिताम् अष्टमम् महागौरी त्रिनेत्राम्।
वराभीतिकरां त्रिशूल डमरूधरां महागौरी भजेम्॥
पटाम्बर परिधानां मृदुहास्या नानालङ्कार भूषिताम्।
मञ्जीर, हार, केयूर, किङ्किणि, रत्नकुण्डल मण्डिताम्॥
प्रफुल्ल वन्दना पल्लवाधरां कान्त कपोलाम् त्रैलोक्य मोहनम्।
कमनीयां लावण्यां मृणालां चन्दन गन्धलिप्ताम्॥

Vande Vanchhita Kamarthe
Chandrardhakritashekharam।
Simharudha Chaturbhuja Mahagauri
Yashasvinim॥
Purnandu Nibham Gauri Somachakrasthitam
Ashtamam Mahagauri Trinetram।
Varabhitikaram Trishula Damarudharam
Mahagauri Bhajem॥

eAstroHelp

Patambara Paridhanam Mriduhasya
Nanalankara Bhushitam।
Manjira, Hara, Keyura, Kinkini, Ratnakundala
Manditam॥
Praphulla Vandana Pallavadharam Kanta
Kapolam Trailokya Mohanam।
Kamaniyam Lavanyam Mrinalam Chandana
Gandhaliptam॥

माँ महागौरी स्तोत्र

सर्वसङ्कट हन्त्री त्वंहि धन ऐश्वर्य प्रदायनीम्।
ज्ञानदा चतुर्वेदमयी महागौरी प्रणमाम्यहम्॥
सुख शान्तिदात्री धन धान्य प्रदायनीम्।
डमरूवाद्य प्रिया अद्या महागौरी प्रणमाम्यहम्॥
त्रैलोक्यमङ्गल त्वंहि तापत्रय हारिणीम्।
वददम् चैतन्यमयी महागौरी प्रणमाम्यहम्॥

Sarvasankata Hantri Tvamhi Dhana
Aishwarya Pradayanim।
Jnanada Chaturvedamayi Mahagauri
Pranamamyaham॥
Sukha Shantidatri Dhana Dhanya
Pradayanim।
Damaruvadya Priya Adya Mahagauri
Pranamamyaham॥
Trailokyamangala Tvamhi Tapatraya
Harinim।
Vadadam Chaitanyamayi Mahagauri
Pranamamyaham॥

माँ महागौरी कवच

ॐकार: पातु शीर्षो माँ, हीं बीजम् माँ, हृदयो।
क्लीं बीजम् सदापातु नभो गृहो च पादयो॥
ललाटम् कर्णो हुं बीजम् पातु महागौरी माँ नेत्रम् घ्राणो।
कपोत चिबुको फट् पातु स्वाहा माँ सर्ववदनो॥

Omkarah Patu Shirsho Maa, Him Bijam Maa,
Hridayo।
Klim Bijam Sadapatu Nabho Griho Cha
Padayo॥
Lalatam Karno Hum Bijam Patu Mahagauri
Maa Netram Ghrano।
Kapota Chibuko Phat Patu Swaha Maa
Sarvavadano॥

हागौरी माँ तेरी हरदम ही जय हो॥

eAstroHelp

माँ महागौरी आरती

जय महागौरी जगत की माया। जय उमा भवानी जय महामाया॥
हरिद्वार कनखल के पासा। महागौरी तेरा वहा निवास॥
चन्द्रकली और ममता अम्बे। जय शक्ति जय जय माँ जगदम्बे॥
भीमा देवी विमला माता। कौशिक देवी जग विख्यता॥
हिमाचल के घर गौरी रूप तेरा। महाकाली दुर्गा है स्वरूप तेरा॥
सती (सत) हवन कुंड में था जलाया। उसी धुएं ने रूप काली बनाया॥
बना धर्म सिंह जो सवारी में आया। तो शंकर ने त्रिशूल अपना दिखाया॥
तभी माँ ने महागौरी नाम पाया। शरण आनेवाले का संकट मिटाया॥
शनिवार को तेरी पूजा जो करता। माँ बिगड़ा हुआ काम उसका सुधरता॥
भक्त बोलो तो सोच तुम क्या रहे हो। म

t

eAstroHelp